Topic No. ________ Date ________

GEOGRAPHY

SOCIO - ECONOMIC REPORT

PALHAWAS , REWARI

SUBMITTED TO :→

DR. SAVITA RANI

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

G.C.W GURAWARA

SUBMITTED BY

Priyanka

B.A .IIIRD YEAR

ROLL No = 812112110021211

Page No. _____

Topic No. _____ Date _____

INDEX

SR. No.	TOPIC	PAGE NO	Teacher sign.
1.	Introduction to Socio-Economic Survey	1	
2.	Introduction And History of village	2	
3.	Analysis And observation of Data	3	
5.	Age Distribution	3	
6.	Education Distribution	4	
7.	Income Distribution	5	
8.	Conclusion	6	24/04/2024

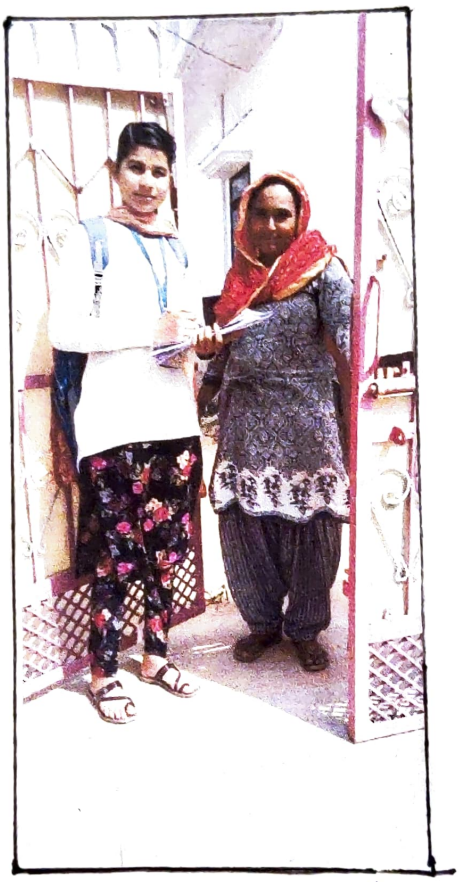

SESSION 2023 - 24.

Topic No. Date /

INTRODUCTION : →

नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (NSSO) हर साल देशभर से कई तरह के आँकड़े संग्रह करता है। ये कई तरह के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों से जुड़े होते हैं, जो देश में नीति और योजनाएँ बनाने के काम आता है।

नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (NSSO) देशभर में कई नमूना आँकड़े जुटाता है और इसे अलग - अलग राउंड में जुटाता है। अलग - अलग सामाजिक मुद्दों और पृष्ठभूमि से जुटाए जाने वाले इन आँकड़ों के दो राउंड के बीच की अवधि करीब 6 महीने से 1 साल होती है। इससे अलग - अलग समय पर देश में आर्थिक हालात क्या है और उसका सामाजिक स्तर पर क्या असर पड़ रहा है, ये समझने में मदद मिलती है। इसी के बलबूते सरकार अलग - अलग तबकों के लिए नीतियाँ बनाती है।

देश में इस तरह का पहला सर्वे 1950 - 51 के दौरान किया गया। तब NSSO का नाम नेशनल सैंपल सर्वे ही था। एनएसएसओ जिन मुद्दों को लेकर सर्वे करता है, इनके राउंड को 10 साल की साइकिल में किया जाता है।

हमने पाल्हावास गाँव का सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण करने के लिए प्रश्नावली का प्रयोग किया।

Topic No. _____ Date _____

Introduction and History of Palhawas :→

पालहावास गाँव हरियाणा राज्य के रेवाड़ी जिले में स्थित एक प्राचीन गाँव है। यह गाँव रेवाड़ी - झज्जर रोड पर लगभग रेवाड़ी से लगभग 3.5 कि० मी० दूर है। गाँव से रेवाड़ी - रोहतक रेलमार्ग भी गुजरता है। गाँव में तहसील, सरकारी स्कूल, बैंक, बिजली भवन, कृषि डिपार्टमेंट आदि अनेक सरकारी सुविधाएं है। गाँव में JBSSS एवं JPS की स्थापना 1933 में हुई। गाँव में अनेक निर्माण कार्य हुए है। गाँव के लोग प्रकृति से भी जुड़ाव रखते है। पालहावास में बहुत बड़ा बाजार भी है। जहां से दैनिक जरूरतों, कपड़ों व अन्य आवश्यक वस्तुएं आसानी से खरीद सकते है। पालहावास गाँव के अधिकतर लोग कृषि पर आधारित है।

गाँव में बिजली, पानी आदि सभी आवश्यकताएं पालहावास गाँव के लोगों को मिली हुई है। गाँव में अनेक जातियां है परंतु छुआछुत, जैसी कोई रूढ़िवादी परंपराएं गाँव में नहीं है। पालहावास गाँव के लोग शिक्षित है एवं अधिकतम लोग सीमा पर भी तैनात है।

Topic No. _____ Date _____

Data Report of village Palhawas :— Analysis

सर्वेक्षण के दौरान हमने पाल्हावास गाँव की जनसंख्या को चार आधारों पर किया जो निम्नलिखित है :→

- लिंग विभाजन के आधार पर ।
- आयु के आधार पर ।
- शिक्षा के आधार पर।
- आय के आधार पर।

1. लिंग के आधार पर जनसंख्या का वितरण :→

जब हमने पाल्हावास गाँव का आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण किया तो हमने पाया की उस क्षेत्र की कुल जनसंख्या 458 है, जिनमें से पुरुषों की संख्या 227 है जो कुल जनसंख्या का 50% से कुछ कम है। यहाँ महिलाओं की संख्या 231 है।

यहाँ का लिंग अनुपात ज्ञात किया गया तो पाया यहाँ महिलाओं की संख्या अधिक है और लिंग अनुपात 1016 है।

2. आयु के आधार पर जनसंख्या का वितरण :→

जब हमने आयु के आधार पर जनसंख्या का वितरण किया तो आयु की तीन श्रेणियां रखी। जिनमें 0 - 6 वर्ष की आयु के 36 बच्चे है जो कुल जनसंख्या का 7.8% है। 6-14 वर्ष की आयु के बच्चे 49 है जो जनसंख्या का 10.6 % है। तथा 14 वर्ष से अधिक आयु के 373 लोग है जो कुल जनसंख्या का 81.4 % है।

SEX RATIO :→

Total Population	458
Males	227
Female	231

$$\text{Sex Ratio} = \frac{\text{No. of Females}}{\text{No. of Males}} \times 1000$$

$$\frac{231}{227} \times 1000$$

$$= 1017.6$$

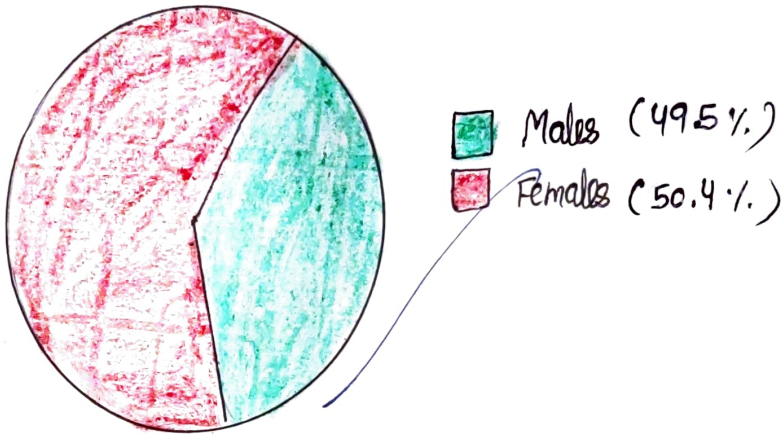

Age Distribution :→

Age in group years	No.
0-6	36
6-14	49
14 & above	373

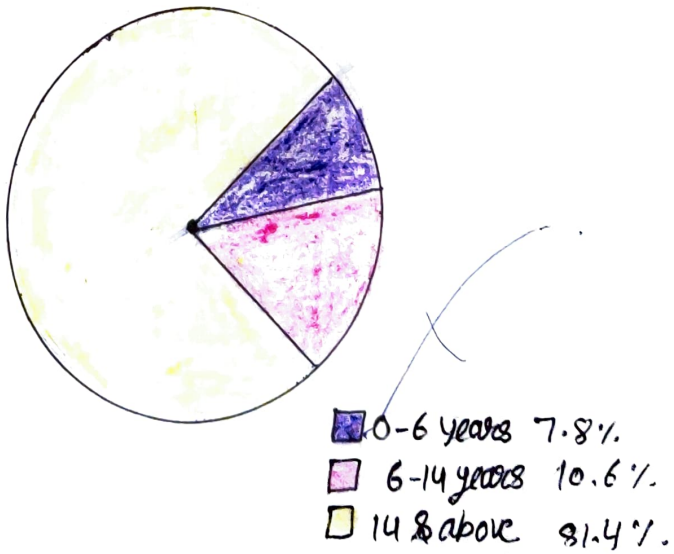

(3.) शिक्षा के आधार पर जनसंख्या का वितरण :—→

सर्वेक्षण के दौरान जब शिक्षा के आधार पर जनसंख्या का विभाजन किया तो हमने उसे चार श्रेणियों में रखा। पहली श्रेणी में अनपढ़ जनसंख्या को रखा जो 48 लोग हैं जो कुल संख्या का 10.4% है। कक्षा 1 से 10वीं तक लोगों की संख्या 123 है जो कि कुल जनसंख्या का 26.8% है। यहाँ कक्षा 10-12 पढ़े हुए लोगों की संख्या 117 है जो कि 25.5% है। बारहवीं कक्षा से अधिक पढ़े हुए लोगों की संख्या 170 है। जो कुल जनसंख्या का 37.1 है।

साक्षरता दर :— $\frac{\text{शिक्षित जनसंख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$

$= \frac{410}{458} \times 100$ $= 0.895 \times 100$

$= 89.5\%$

पाल्हावास गाँव की साक्षरता दर 89.5% है जो गाँव में अधिक शिक्षित लोगों को दर्शाती है।

Education Distribution →

Education Qualification	Number of Persons	Number of Persons in (%)
Nil	48	10.4%
1-10	123	26.8%
10-12	117	25.5%
12 & above	170	37.1%

Literacy – $\frac{\text{Total no of Education people}}{\text{Total population}}$

$= \frac{410}{458} \times 100$

$= 89.5$

Line graph of Education Distribution

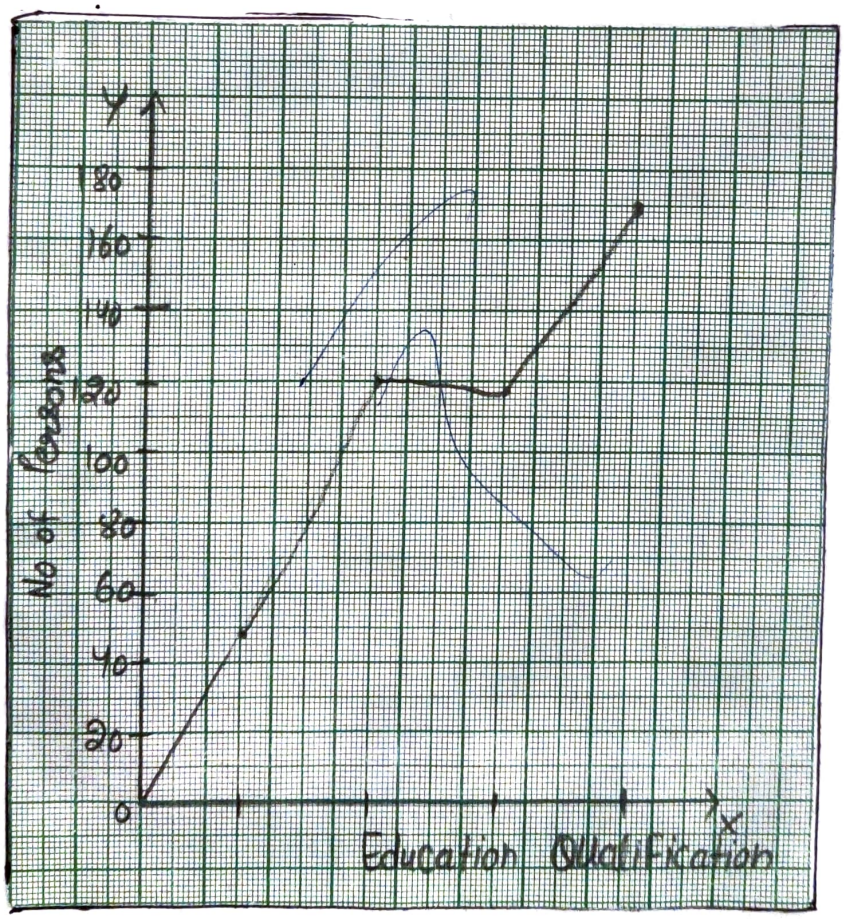

Topic No. _____ Date _____

(5.) आय के आधार पर जनसंख्या का वितरण :→

वार्षिक आय के आधार पर परिवारों को छः श्रेणियों में बांटा है जिसमे 2 लाख से कम आय वाले कुल परिवार 52 है। 2 – 4 लाख आय वाले परिवार कुल 15 है। 4 – 6 लाख आय वाले कुल परिवार 10 है। तथा 6 – 8 लाख आय वाले कुल परिवार 7 है। 8 – 10 लाख वार्षिक आय वाले कुल परिवार 2 है। व 10 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार 2 है।

यहां की औसत आय माध्य के आधार पर :→

Mean ($\bar{x}$) = $\frac{\Sigma fm}{N}$ Here: Σfm = Sum of total Multiplication of ~~value~~ frequency and mid-values

$\bar{x} = \frac{264}{88}$

= 3 Lakh

N = Total no of families

$\bar{x}$ = Mean

पाल्हावास गांव के 88 घरों की औसत आय 3 lakh रुपए है।

Income Distribution ÷→

Income in Lakh	Number of houses	m	fm
0-2	52	1	52
2-4	15	3	45
4-6	10	5	50
6-8	7	7	49
8-10	2	9	18
10-above	2	25	50

$$\bar{X} = \frac{\Sigma fm}{N}$$

$$\bar{x} = \frac{264}{88}$$

$$\bar{x} = 3 \text{ Lakh}$$

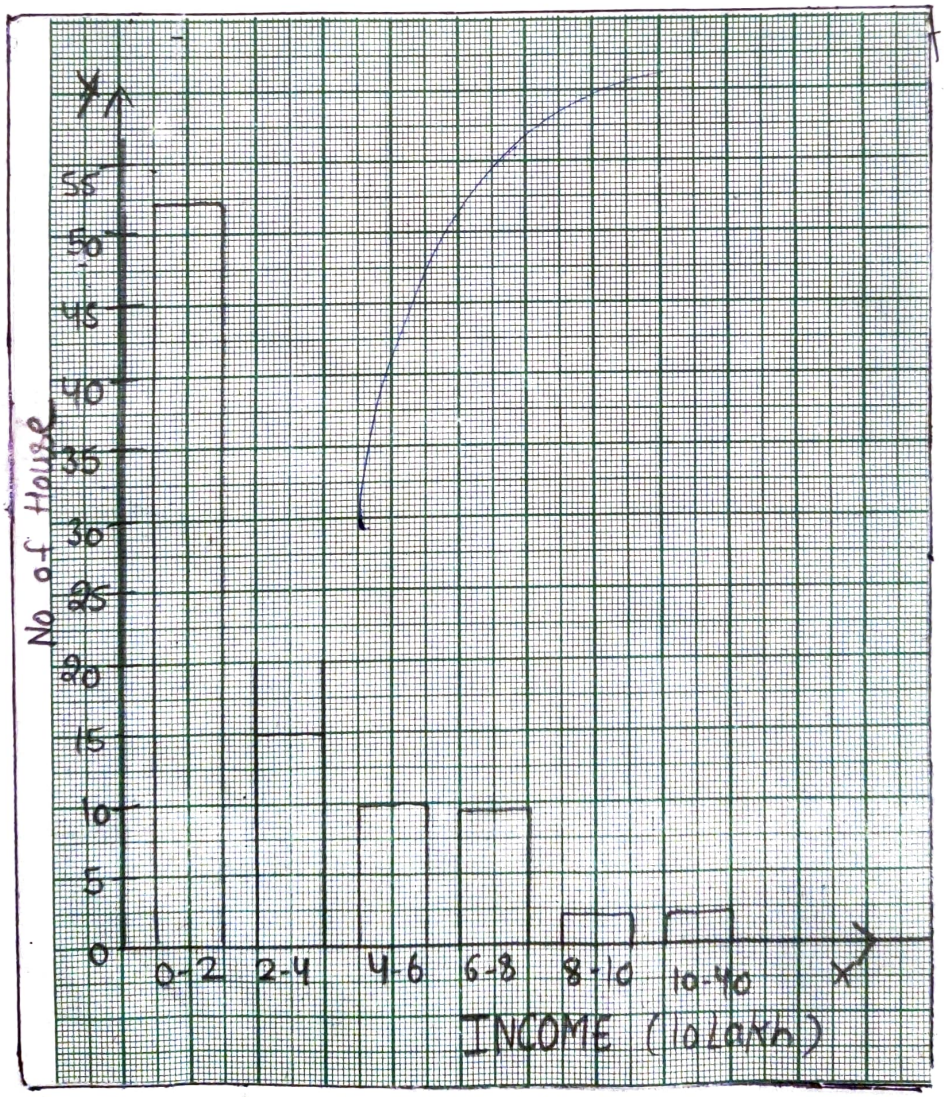

Page No.

Topic No.   Date 6

निष्कर्ष (Conclusion) :⟹ इस प्रक्रिया के दौरान हमें अनुभव हुआ कि पाल्हावास गाँव की सामाजिक व आर्थिक स्थिति अच्छी है।

इस सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण के अंतर्गत हमने चार आधार बनाए जिसमे लिंग अनुपात, आयु, शिक्षा तथा आय का वितरण करके हमने गाँव पाल्हावास का अध्ययन किया। इन चारों आधारों की दृष्टि मे पाल्हावास गाँव एक विकासशील गाँव कहा जा सकता है। इस गाँव मे सार्वजनिक सुविधाएँ भी है। सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई है। सरकारी संस्थाएँ भी पाल्हावास गाँव में भी उपलब्ध है। साफ - सफाई में भी पाल्हावास गाँव अहम भूमिका निभा रहा है। यहाँ नजदीक बाजार होते हुए भी साफ - सफाई पर उचित ध्यान दिया गया है।

अतः पाल्हावास सामाजिक - आर्थिक दृष्टि से विकासशील गाँव है और आने वाले समय मे यह गाँव विकसित गाँवो की गणना मे आ सकता है।